खबर संक्षेप

वन कर्मचारी संघ जिला शाखा मंडला की बैठक सम्पन्न

मण्डला। म.प्र.वन कर्मचारी संघ जिला शाखा मंडला की आवश्यक बैठक आज दिनांक 20 अप्रैल 2025 दिन रविवार को कटरा रोपणी मंडला आयोजित की गई। सर्व प्रथम दीप नारायण तिवारी वनपाल कटरा रोपणी द्वारा जिला अध्यक्ष को पौधा भेंट कर बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में निम्न प्रस्ताव पारित किये गए। (1) महिला मोर्चा जिला कार्यकारिणी का विस्तार (2) तहसील कार्यकारिणी एवं कान्हा इकाई का गठन करने (3) जिला एवं तहसील कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों को आगामी बैठक में उपस्थित होने हेतु निर्णय (4) वन कर्मचारियों को वर्दी भत्ता की राशि नगद खाता में जमा करने (5) कान्हा टाइगर रिजर्व कार्यरत अग्रपंक्ति वन अमले की नक्सलियों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में चर्चा (6) कर्मचारियो को नॉक्सलाइट भत्ता प्रदान किया जाए (7) प्रत्येक माह तहसील कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया जाए व कर्मचारियों की समस्याओं से जिला कार्यकारिणी को अवगत कराया जाए। (8) मंडला जिला को अलग वन वृत बनाया जाए। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने उक्त प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किए। बैठक में बालसिंह ठाकुर जिला अध्यक्ष, अंकित बाजपेई संभागीय उपाध्यक्ष, काशी प्रसाद मिश्रा कोषाध्यक्ष, आनंद कुमार रोस्टा तहसील अध्यक्ष बिछिया, संतोष कुमार परते अध्यक्ष कान्हा इकाई, दीप नारायण तिवारी कटरा रोपणी, श्रीमति किरण बरकड़े महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, श्रीमति सीमा श्रीवास्तव उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, श्रीमति दिव्या श्रीधर सदस्य कटरा रोपणी, रामलाल हरदहा सदस्य, नीरज पाण्डे सदस्य, नीरज झारिया सदस्य, संतोष ठाकुर सदस्य, राजकिरण मिश्रा सदस्य, रामनरेश उडावी सदस्य, सत्यनारायण सिंगौर सदस्य आदि उपस्थित रहे।

देश-विदेश के लोग आकर कर रहे उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा

नर्मदा परिक्रमा से होती मण्डला की पहचान

*** परिक्रमा को लेकर प्रशासन की उपेक्षा समझ से परे।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महिष्मती उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा का दूसरा चरण कल 20 अप्रैल को संपन्न हुआ हालांकि इस दूसरे आयोजन में पहले आयोजन की तरह हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल नहीं थे फिर भी लगभग 500 लोगों ने इस दो दिवसीय उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में अपनी सहभागिता दर्शायी। इस द्वितीय आयोजन में हालांकि स्थानीय भक्तों की संख्या कम थी लेकिन मण्डला जिले के बाहर और दूसरे प्रदेशों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुये। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात के साथ-साथ दक्षिण के प्रदेश केरल से भी श्रद्धालु इस परिक्रमा में शामिल रहे कुछ परिक्रमावासी तो परिक्रमा में शामिल होने हवाई यात्रा कर जबलपुर पहुंचे और वहां से टैक्सी के माध्यम से मण्डला आकर उन्होंने परिक्रमा में भाग लिया।

सुबह 6:00 बजे प्रारंभ हुई परिक्रमा

19 अप्रैल दिन शनिवार को प्रातः 6:00 बजे संकल्प पूजा के साथ परिक्रमा प्रारंभ हुई व्यास नारायण मंदिर में संकल्प के साथ माँ नर्मदा का कलश एवं माँ नर्मदा की पालकी नर्मदा तट पर पहुंची जहां पर माँ रेवा की महाआरती नर्मदा भक्तों ने सामूहिक रूप से की। आरती पूजन के उपरांत तट पार कर परिक्रमा यात्रा महाराजपुर संगम पहुंची जहां पर परिक्रमावासियों का पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई इसके बाद अंदर के रास्ते से परिक्रमा आगे बढ़ी।

चित्रगुप्त कायस्थ सभा ने कराया बाल भोग

ज्वालाजी मंदिर परिसर में चित्रगुप्त कायस्थ सभा द्वारा परिक्रमावासियों के लिये बाल भोग की व्यवस्था की गई थी समाज की महिलायें पोहा, जलेबी एवं शीतल पेय से भरी हुई प्लेटें लेकर परिक्रमावासियों को ससम्मान भेंट कर रही थी एवं उनका स्वागत पुष्पवर्षा कर करते हुये अपने आपको धन्य महसूस करती नजर आई।

आगे बढ़ती हुई परिक्रमा दादा धनीराम जी के आश्रम पहुंची जहां दर्शन उपरांत नर्मदा तट से परिक्रमा गुजरते हुये मानादेई होते हुये सुरंगदेवरी के अंदर से नर्मदा तट से माँ नर्मदा का दर्शन करते हुये सिलपुरा स्थित कोठी घाट आश्रम पहुंची जहां पर सूर्यकुण्ड रेवा सेवा समिति द्वारा आश्रम संचालकों के सहयोग से दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई थी स्वादिष्ट भोजन से परिक्रमावासियों का मन तो संतुष्ट हुआ ही शरीर की थकान भी दूर हो गई भोजन के बाद भजन करते हुये परिक्रमावासी भाव-विभोर नजर आये यहां दोपहर को थोड़े विश्राम के उपरांत नर्मदा तट से ही आगे बढ़ते हुये सनकुही पहुंची परिक्रमा और फिर भैंसादाह होते हुये घाघा से गुजरते हुये घाघी घाट पर परिक्रमावासी पहुंचे जहां रात्रि विश्राम निर्धारित किया गया था।

नर्मदा तट पर हुआ रात्रि विश्राम

घाघी घाट के अप्रितम सौन्दर्य एवं तीनों ओर से प्रवाहित नर्मदा जल ने सभी परिक्रमावासियों का मन मोह लिया इस स्थान पर रात्रि विश्राम की कल्पना से ही सभी परिक्रमावासी उत्साहित नजर आये तट पर ही लोगों ने अपना डेरा जमाया। संध्या समय माँ नर्मदा की महाआरती की गई और परिक्रमावासियों ने भोजन ग्रहण किया। भोजन उपरांत भजन-कीर्तन के बाद लोग विश्राम करने चले गये। सुबह 3:00 से ही जाग कर परिक्रमावासियों ने नित्यक्रिया के उपरांत स्नान किया और फिर तट पर माँ नर्मदा की आरती की और तट पारकर बबैहा पहुंचे जहां बाल भोग के बाद आगे की परिक्रमा प्रारंभ हुई।

प्रशासन ने नहीं किया सहयोग

घाघी घाट रात्रि विश्राम को लेकर जिला प्रशासन से स्नान एवं प्रसाधन की सुविधा उपलब्ध कराने निवेदन किया गया था लेकिन सिर्फ नगरपालिका प्रशासन द्वारा एक मोबाईल टायलेट उपलब्ध कराया गया लगभग 500 परिक्रमावासियों के लिये आयोजन समिति ने अलग-अलग महिला-पुरूषों के उपयोग हेतु अस्थाई टायलेट बनवाये नर्मदा तट पर स्नान की कोई व्यवस्था न होती देख समिति द्वारा पम्पों के माध्यम से पानी ऊपर लाकर श्रद्धालुओं के नहाने की व्यवस्था महिला एवं पुरूषों की अलग-अलग की गई थी।

दूसरे दिन 20 अप्रैल को परिक्रमा जिलहरी घाट के सामने से पगदण्डी रास्ते से माँ नर्मदा के किनारे-किनारे सहस्त्रधारा आश्रम पहुंची जहां से देवदरा होते हुये नेहरू स्मारक एवं जेल घाट, सिंघवाहिनी मंदिर के दर्शन करते हुये व्यास नारायण मंदिर किले घाट परिक्रमावासी पहुंचे। भगवान व्यास नारायण पर जल अर्पण कर परिक्रमावासियों ने अपनी परिक्रमा पूर्ण की और फिर यहां भव्य आरती की गई। आरती के उपरांत भोग की व्यवस्था की गई थी और फिर बाहर से आये हुये परिक्रमावासियों को समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र भी यादगार स्वरूप भेंट किये गये।

पूरे परिक्रमा मार्ग में नर्मदा भक्तों के द्वारा दी गई शीतल पेय, ठण्डे पानी, फल, छाछ, बेल का शरबद, मिष्ठान एवं अन्य सामग्री ने परिक्रमावासियों को कहीं भी अकेले होने का एहसास नहीं कराया।

निर्माण के नाम पर खुली लूट और जिम्मेदारों ने दे दी पूरी छूट

*** राशि के साथ दस्तावेज भी गायब, और निर्माण अधूरे।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

राशि का आहरण कर लिया जाना और निर्माण कार्य अधूरा रहना, उपर से दस्तावेज का गायब हो जाना, हुए भ्रष्टाचार को प्रमाणित करता है। इसके बाद भी कोई कार्यवाही न होना, ये मिलीभगत व सांठगांठ को प्रमाणित करता है। हम बात कर रहे हैं जनपद पंचायत घुघरी के अन्तर्गत कुछ ग्राम पंचायतों की, जहॉ पर राशि निकाल ली गई और निर्माण कार्य वर्षों से अधूरे हैं। मिली जानकारी के अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य के दस्तावेज सूचना के अधिकार के तहत मॉगे गये थे, जिस पर प्रथम अपीलीय एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा भी जानकारी देने हेतु आदेशित किया गया था, किन्तु जानकारी नहीं दी गई क्योंकि वर्तमान सचिवों के पास दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। ये घोर लापरवाही को उजागर करता है। किसी भी निर्माण एजेंसी के पास निर्माण के दस्तावेज न होना गम्भीर अपराध की श्रेणी में आता है। संबंधित ग्राम पंचायत व निर्माण कार्य निम्नानुसार हैं ग्राम पंचायत सुरेहली-वर्ष 2012-13 में स्वीकृत यात्रि प्रतीक्षालय। ग्राम पंचायत दुलादर-वर्ष 2008-09 में आमाटोला पलकी एवं वर्ष 2009-10 में दुलादर बीचटोला पर स्वीकृत दोनों ऑगनबाडी भवन। ग्राम पंचायत इमलीटोला-वर्ष 2011-12 में इमलीटोला में स्वीकृत ऑगनबाड़ी भवन। ग्राम पंचायत बरवानी-वर्ष 2012-13 में बरवानी में स्वीकृत रेन बसेरा। ग्राम पंचायत लाफन-वर्ष 2009-10 में लाफन में स्वीकृत ऑगनबाडी भवन।, ग्राम पंचायत कुंटीददरगांव-वर्ष 2012-13 में कुंटीददरगांव में स्वीकृत यात्री प्रतीक्षालय। ग्राम पंचायत पाण्डकला-वर्ष 2013-14 में पाण्डकला में स्वीकृत ऑगनबाडी भवन।, ग्राम पंचायत डूंडादेही-वर्ष 2011-12 में झूंझर में स्वीकृत आंगनबाड़ी भवन।

अब देखना होना कि, इस समाचार प्रकाशन के बाद जिम्मेदार क्या कार्यवाही करते हैं। इस मामले की शिकायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत घुघरी को समाजसेवी द्वारा की जा चुकी है। सूत्रों के हवाले से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त कुछ आंगनबाड़ियों को महिला बाल विकास विभाग द्वारा डिस्मेंटल करने की अनुशंसा की गई है जबकि, उक्त ऑगनबाड़ी भवन पूर्ण हुए ही नहीं हैं।

कुम्भ स्थल में डूबी छात्रा

मण्डला। मण्डला जिले के महाराजपुर में रविवार को नर्मदा नदी में डूबने से एक छात्रा की मौत हो गई। मृतका की पहचान रिया कुशराम (17) के रूप में हुई है। वह बेहंगा गांव की रहने वाली थी। वर्तमान में वह अपने मामा के घर कारिकोन में रहकर 12वीं की पढ़ाई कर रही थी। श्रृष्टि को लोगों ने बचा लिया था। पुलिस के अनुसार, रिया अपनी सहेली श्रृष्टि (13) और स्वाति मर्सकोले के साथ रिश्तेदारों के साथ कुंभ स्थल घाट पर नहाने गई थी। इस दौरान रिया और श्रृष्टि गहरे पानी में चली गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने श्रृष्टि को बचा लिया। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन रिया गहरे पानी में लापता हो गई। घटना की सूचना महाराजपुर पुलिस और SDERF की टीम को दी गई। SDERF की टीम ने 2 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। इसके बाद रिया का शव नर्मदा नदी से बरामद किया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। महाराजपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आयोजन | **कैबिनेट मंत्री श्रीमती सपतिया उईके ने वैवाहिक जोड़ों को दिया आर्शीवाद।**

सामूहिक वैवाहिक जीवन में बंधे 197 जोड़े

*** कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल मैदान में हुआ आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज में मुख्यमंत्री कन्यादान एवं निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत नारायणगंज में 197 जोड़े का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ जिसमें मंडला जिले की कैबिनेट मंत्री श्रीमती सपतिया उईके पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते शामिल हुए नारायणगंज जनपद पंचायत के 50 पंचायत से आए हुए दूल्हा दुल्हन जो की विगत दिनों से कार्यक्रम का आयोजन के लिए जनपद पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी गौरी शंकर डेहरिया द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लिए पात्र जोड़ों का पंजीयन एवं व्यवस्था के लिए समय-समय पर बैठक बुलाई गई 20 अप्रैल 2025 को कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल नारायणगंज के मैदान में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत समूह विवाह किया गया जिसमें 197 जोड़े शामिल हुए बड़ी धूमधाम बाजा गजा के साथ के बारात निकाली गई बारात में दूल्हा दुल्हन के परिजन भी शामिल हुए बारात का स्वागत महिला कर्मचारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अजीब का मिशन की बहनों ने स्वागत किया फूल माला पहनकर तिलक लगाकर भेंट की जनपद पंचायत नारायणगंज के कर्मचारी इंजीनियर सचिव सरपंच भी बारात में शामिल हुए सुबह 8:00 बजे से लोगों का आना-जाना पंडाल में हो रहा था थाना प्रभारी गोपाल घोसला एवं समस्त स्टाफ बस स्टैंड से जनपद तक व्यवस्था की गई एवं जगह-जगह पुलिस की व्यवस्था की गई पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए जिसमें किसी प्रकार का कोई बाधा उत्पन्न हो पाए जगह-जगह गाड़ियों के स्टैंड की व्यवस्था की गई थी कार्यक्रम में निवास विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैन सिंह बरकडे जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र बरकड़े भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए जनपद पंचायत नारायणगंज के शिक्षा विभाग परियोजना विभाग पीएचई विभाग महिला परियोजना विभाग आजिविका विभाग राजस्व विभाग आदि का सहयोग रहा कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां उईके अपने उद्बोधन में मैं कहा कि जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत सभी पंचायत में जहां पर भी पानी की समस्या हो हो तो उसे शीघ्र ही दूर होगी झाझनगर मानेगांव स्थित प्लांट में नर्मदा का जल घर-घर पहुंचाया जाएगा योजना का काम चालू है जो की नारायणगंज के के 200 से अधिक गांव में जल जीवन निगम द्वारा पानी पहुंचाया जाएगा शीघ्र ही जनपद में पीएच विभाग द्वारा एक बैठक कराई जाएगी जिसमें पानी की समस्या के लिए एवं उसकी निदान के लिए बैठक की जाएगी कार्यक्रम में श्रीमती संपत्तियां उनके द्वारा दूल्हा-दुल्हन को 49000 का चेक दिया गया एवं जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत नारायणगंज के समस्त ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक जनपद के कर्मचारी कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां हुई के पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीय जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा सभी जनपद सदस्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैन सिंह बरकड़े संदीप सोनी संदीप तिवारी जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र बरकड़े स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर अमृतलाल कल शिक्षा विभाग से राजेश विश्वकर्मा जनपद शिक्षा केंद्र से कमलेश भवेदी महिला विकास अधिकारी संजय मोगरे अजीब का मिशन से उपाध्याय जी राजस्व विभाग से तहसीलदार नितिन गौड़ एवं समस्त पटवारी कोटवार कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल से नायक जी एवं समस्त स्टाफ पुलिस विभाग से थाना प्रभारी गोपाल घोसला शशांक शुक्ला सी चौधरी जी एवं समस्त स्टाफ और मंडला से पुलिस व्यवस्था की गई थी जिनका सराहनीय योगदान रहा।

सड़कों की पटरी में झाड़ियों व गड्ढों के कारण हो रही है दुर्घटनाएं

*** पटरी निर्माण की राशि हो जाती है बंदरबांट।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

लोक निर्माण विभाग के गुणवत्ता विहीन अनेक कार्य प्रदेश में सवालों के घेरे पर हैं। विभाग द्वारा बनायी गई सड़कें उच्च स्तरीय चर्चाओं में बनी रहती हैं। मण्डला में भी बनायी गई कई सड़कें स्वतः अपनी दुर्दशा बयॉ कर रही हैं। यहॉ कुड़वन हिरदेनगर रोड तो बनी है पर पटरी का पता नहीं है। रोड के दोनों साईड पर जानलेवा गड्ढे एवं पत्थर पड़े हुए हैं जिससे पैदल चलने वाले भी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इस रोड पर वाहन क्रॉस नहीं हो पाते, इसी तरह पुरवा से पदमी चौराहा रोड पर दोनों तरफ कॉटेदार झाड़ियां लगी हुई हैं जिससे यहॉ तो पटरी दिखाई ही नहीं देती। इस रोड में दुर्घटनाओं के कारण कई मौतें हो चुकी हैं किन्तु विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। आखिर इस तरह के कार्यों को करने के लिए प्राप्त राशि कहॉ गायब हो रही है जो जॉच का विषय है। आपको बता दें कुछ माह पूर्व झूला पुल से पुरवा तक बनायी गई सीसी रोड की परत भी उखड़ रही है जो गुणवत्ता विहीन निर्माण को प्रमाणित करती है। जनअपेक्षा है कि हमारे जनप्रतिनिधि व उच्चाधिकारी इस ओर शीघ्र ध्यान दें।

खबर संक्षेप

नियम विपरीत वाहनों में लगे हुये लाईट बन रहे दुर्घटनाओं के कारण

हरिभूमि न्यूज/मनकवारा। क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाली वाहनों की मनमानी पर अंकुश लगाने में प्रशासन की असफलता का परिणाम है कि वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू दिखाई देने से नही चूक रहे है क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले कई वाहनो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह निर्धारित नियमों के विरूद्व संचालित होने के साथ साथ यह खस्ताहाल वाहन जहां पर्यावरण को बिगाड़ रहे है, वही ये दुर्घटानाओ के कारण भी बनने से भी नही चूक है? क्योंकि जिस प्रकार से वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्व लाईट लगाये हुये है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होने का प्रमुख कारण सामने आने से नही चूक पाता है, जहां अनेक चार पहिया वाहन इस प्रकार से होते है जिनका मात्र एक ही हेड लाईट चलते हुये देखा जाता है जिसके चलते इस प्रकार के वाहन को अधिकांश समय लोग दो पहिया वाहन समझते हुये अपनी मोटर साईकिल को काटता है तो वह दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकता है।

वृद्धावस्था पेंशन योजना के हितग्राहियों के मशीन में फिंगर नहीं आने से हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। शासन द्वारा अनेक योजनायें चलाकर वृद्धों एवं गरीबों का भला करने की बात कही जा रही है वहीं दूसरी ओर देखा जाता है कि शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्ध महिलाओं व पुरूषों की हालत दिन पर दिन दयनीय व पीड़ा दायक होती जा रही है। यह बात अलग है कि इस हेतु शासन ने वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की थी मगर शासन की इस योजना को पंचायत में बैठे कर्णधारों द्वारा शासन के नियमों को अनदेखा कर पात्रजनों को इसका लाभ ना देकर अपात्रों को दिया जा रहा है और इसी प्रकार शासन की कई अन्य योजनायें भाई-भतीजावाद की शिकार हो रही हैं जिसके कारण आज इन वृद्धों को शासन की अनेक योजनायें चलने के बाद भी भूखों रहने की नौबत आ रही है। शासन द्वारा वृद्धों के लिये वृद्धावस्था सुरक्षा पेंशन का फार्म निकालकर यह नियम लागू किया गया था। मगर इस योजना का लाभ अनेक निःसहाय वृद्धों को नहीं मिल पा रहा है? आम जन का आरोप है कि अधिकारियों द्वारा इन वृद्धों के आवेदनों को बिना देखे ही निरस्त कर दिया जाता हैं, विधवा महिलाओं की भी स्थिति अत्यंत दयनीय रहती है। देखने में आता है कि उन्हें भी शासन की योजनाओं से कोई फायदा नहीं मिल पाता है। क्षेत्र में अनेक विधवा महिलायें हैं जो परेशानियों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं जिनका भला करने के उद्देश्य से शासन ने इस प्रकार की योजनायें शुरू की थी मगर देखा जा रहा है कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस प्रकार की अनेक योजनाओं के बारे में पंचायत स्तर पर बैठे कुछ अधिकारी भाई-भतीजावाद की भेंट चढ़ाकर उन्हें पूरा कर देते हैं और पात्र हितग्रहियों को उनसे वंचित कर दिया जाता है।

शराबखोरी करने वालों का लगा रहता है जमावड़ा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय जिस प्रकार से शराब खोरी करने वाले लोगों से आमजन को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, उसके चलते नगर की कानून व्यवस्था पूर्णरूप से पटरी पर उतरते हुए देखी जा रही है। इस सब का प्रमुख कारण मात्र एक ही देखा जा रहा है कि नगर के अंदर संचालित होने वाली पान दुकानों के चलते एक ओर नगर का वातावरण प्रदूषित होने से नही बच पा रहा है। वही दूसरी ओर इन अंडा दुकानों पर शाम होते हुए जिस प्रकार से शराब खोरी करने वाले लोगों का जमावाड़ा लग जाता है जिसके चलते आम लोगों मुख्य मार्गो से शाम के वक्त महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है? क्योंकि नगर में जहां तहां लगी हुई इन अंडा दुकानों व खुलेआम बाजार में होने वाली शराब खोरी के चलते स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि शराब के नशे में मस्त लोगों द्वारा जिस प्रकार से अप शब्दों का उपयोग किया जाता है।

शहर से लेकर गांव तक फैली फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से आमजन की जेब पर डाला जा रहा डाका.. आसान किस्तों पर फाईनेंस के नाम पर भोले भाले नागरिकों से करा लिये जाते हैं दस्तावेजों पर हस्ताक्षर, दुकानदारों की मिलीभगत के मिल रहे संकेत, मीडिया द्वारा लगातार आवाज उठाने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

क्षेत्र के नेताओं द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र लगातार प्रगति पर तो दिखाई दे रहा है और इसी प्रगति के चलते आज नगर सहित क्षेत्र में व्यापार व अन्य व्यवस्थाओं में भी इजाफा होने लगा है। जिसका परिणाम है कि आये दिन नगर में अनेक प्रकार की बड़ी बड़ी दुकानों के साथ साथ अन्य प्रतिष्ठान भी खुलते चले जा रहे है तो दूसरी ओर देखा जा रहा है कि आमजन की सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर नगर में अनेक छोटी बड़ी बैकों द्वारा अपनी ब्रांच खोली जा रही है। वही दूसरी ओर अनेक प्रकार की फाईनेंस कंपनियों ने भी अपने पैर जमा लिये गये है। इस प्रकार से दिनों दिन अपने पैर जमा रही इन फाईनेंस कंपरियों की सच्चाई को लेकर जहां अनेक प्रकार के संदेह पैदा होते हुये जान पड़ रहे है। क्योंकि नगर में जहां तहां स्थापित होने जा रही इन निजी फाईनेस कंपनियों के संबंध में शायद ही कभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी सच्चाई जानने का प्रयास किया गया हो और इसी का परिणाम है कि यह फाईनेस कंपनियों द्वारा क्षेत्र के भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुए उनकी जेबों पर डाका डालने से भी नही चूक रही है? यह अलग बात है कि पूर्व में हमारे जिले के नेताओं से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा वाही वाही लूटने के उद्वेश्य से जिलो को पूर्ण साक्षर होने का खिताब जरूर दिला दिया गया है। मगर आज भी शहर से लेकर गांवों में निवास करने वाले अनेक लोग इस प्रकार से है जिन्हें अंगूठा लगाते हुये देखा जाता है और इस समय जहां तहां चल रहे अंग्रेजी के बोल बाला ने तो स्थानीय स्तर पर पढ़ाई करने वाले युवाओं को भी गुमराह होने के लिये मजबूर कर दिया गया है। इस सच्चाई का लाभ बाहर से आने वाली अनेक निजी फाईनेस कंपनियों द्वारा धडल्ले से उठाया जा रहा है? बताया जाता है कि नगर में संचालित होने वाले अनेक बड़े बड़े प्रष्ठिानों द्वारा अपने सामग्री बेचने के लिये इन निजी फाईनेस कंपनियों से जुगल बंदी जमाते हुये जहां दुकानदारों द्वारा अपनी सामग्री का विक्रय करते हुये आमजन को फाईनेस तो करा दिया जाता है और बाद में इन कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से आम लोगों की जेबों पर डांका डाला जाता है? इस बात की सच्चाई इस समय नगर में उन लोगों से चर्चा करने के दौरान मिल रही है जिन्होंने नगर की दुकानों से खरीदी गई सामग्री को फाईनेस कराया गया है? इस संबंध में मिल रही जानकारी के अनुसार नगर में जहां तहां स्थापित हुई बाहरी फाईनेस कंपनियों द्वारा नगर के बडे बड़े शोरूमों की शह पर धडल्ले से आम लोगों को लूटने में कोई कसर नही छोड़ रही है। जबकि देखा जावे तो कुछ साल पहले प्रदेश के मुखिया द्वारा भी इस प्रकार से भोले भाले लोगों को गुमराह करते हुये पैसा ऐठने वाली कंपनी माफियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश दिये गये थें..? तो दूसरी ओर इन निजी फाईनेंस कंपनी की

कारगुजारियों को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया जा रहा है। मगर इस ओर न तो प्रशासन द्वारा कोई ध्यान दिया जा रहा है और और नही पुलिस द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर सहित क्षेत्र के गांवों में अनेक लोग इन फाईनेस कंपनियों के शिकार होते हुये आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर हो रहे है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब कोई व्यक्ति किसी बड़े शोरूम या दुकान पर कोई सामग्री खरीदने के लिए पहुंचता है तो दुकान की संचालक या उसके कर्ताधर्ताओं द्वारा अपने ग्राहक से खुले शब्दों में कहा जाता है कि यह सामग्री उन्हें फाईनेस करा दी जावेगी और उसमें कोई परेशानी नही होगी। इस प्रकार से बडे बड़े शोरूमों का संचालन करने वाले कर्ताधर्ताओं के बातों में जब फंस जाते है तो वह खुद की फाईनेस कंपनियों के लोगों बुलाते हुये अपनी सामग्री विक्रय करते हुये ग्राहक को आसान किस्तों पर भुगतान करने की सुविधा दिला दी जाती है और इसके बदले में भोले भाले ग्राहकों से से चेंक बुक सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों में हस्ताक्षर ले लिये जाते है। मगर इसके बाद शुरू हो जाता है इन फाईनेस कंपनियों द्वारा लूटने का कार्य जिसके चलते आम उपभोक्ता को सामग्री खरीदते समय फाईनेस के नाम पर बताई गई सच्चाई से संपूर्ण विपरित कार्य शुरू हो जाता है। जब कोई उपभोक्ता अपनी किस्त रूपी राशि जमा करता है तो इन फाईनेस कंपनी द्वारा न तो उस जमा राशि के बदले कोई रसीद प्रदान की जाती है और न ही ऐसा कोई पुरूप दिया जाता है जिससे उपभोक्ता यह बात साबित कर सके कि उसके द्वारा इतना भुगतान किया जा चुका है? जब उपभोक्ता द्वारा फाईनेस के रूप में राशि बसूलने व बाकी के संबंध में फाईनेस कंपनी के संचालकों से चर्चा करता है तो उनके द्वारा जमा किये जाने वाली राशि के बाद भी जो बाकी निकलता है उसे सुनकर उसके पैरो तले से जमीन गायब होते हुई इसलिये दिखाई देने लगती है कि जो सामग्री उसके द्वारा खरीदी गई थी और दुकानदार द्वारा जो रेट बताया गया था उससे काफी अधिक हो जाती है और इस संबंध में जब वह सामग्री विक्रय करने वाले शोरूमों या फिर दुकानदार से चर्चा करता है तो वहां से उसे एक ही जबाव मिलता है कि भाई अब इसमें हम कुछ नही कर सकते है इस संबंध में तो फाईनेस कंपनी वाले ही जाने? इस प्रकार से फाईनेस के नाम पर लोगों की जेबो पर धडल्ले से डाका डालने की लीला नगर में आम बात होती चली जा रही है। यदि कोई व्यक्ति किसी फाईनेस कंपनी की शिकायत करने की हिम्मत जुटाने का प्रयास करता है तो फाईनेस कंपनियों द्वारा उसके सामने वह चेक बुक पेस कर दी जाती है जिसके चेकों पर बगैर तारीख व बगैर राशि के हस्ताक्षर कराने के साथ साथ वही अंग्रेजी वाले दस्तावेज पेश कर दिया जाते है जिन्हें कम पढ़े लिखे हुये नगर के व्यक्ति द्वारा दुकानदानों की लच्छेदार बातों में आकर फाईनेस कपंनी को सौप दिये गये होते है? इस प्रकार से नगर में धडल्ले से अनेक निजी कंपनियों द्वारा आम लोगों की जेबों पर डाका डालते हुये देखा जा रहा है, जिसके चलते आम लोग शोरूम संचालको व फाईनेस कंपनियों की मिली भगत के चलते अपने आपको लुटा हुआ महसूस करने से नही चूक रहे है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत गाडरवारा में अब 26 अप्रैल को होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2025- 26 के तहत नगरपालिका परिषद गाडरवारा में 26 अप्रैल अप्रैल को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन नगर के नई गल्लामंडी में आयोजित किया जायेगा। ज्ञात हो कि पहले यह सम्मेलन में 25 अप्रैल को आयोजित किया जाना था, जिसे परिवर्तित कर 26 अप्रैल को किया गया है। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण ने बताया कि संबंधित हितग्राही को अपने आवेदन के साथ वर- वधू के अभिभावक का मध्यप्रदेश के मूल निवासी, वधू व उसके वर की समग्र आईडी, समग्र आईडी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में संबंधित निकाय जिसका आवेदक निवासी है द्वारा समग्र आईडी उपलब्ध कराई जायेगी और वर मध्य प्रदेश का निवासी नहीं होने की स्थिति में समग्र आईडी अनिवार्य नहीं होगा। वधू व वर के आधार कार्ड की फोटो कॉपी, आयु प्रमाण पत्र और आयु पुष्टि के लिए स्कूल का प्रमाण पत्र- टीसी अथवा अंकसूची, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र अथवा मतदाता सूची/ मतदान परिचय पत्र, शासकीय चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा आयु के लिए जारी प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड और अन्य दस्तावेज जिसमें आयु सिद्ध करने के लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य हो, प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा वधू- वर के पासपोर्ट साईज की दो- दो फोटोग्राफ, यदि हो तो अभिभावक व वर- वधु को मोबाईल नम्बर, कल्याणी (विधवा) होने की स्थिति में पूर्व पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यक्त महिला होने की स्थिति में कानूनी रूप से तलाक होने का न्यायालयीन आदेश, यदि हितग्राही मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक है, तो श्रमिक पंजीयन कार्ड की छायाप्रति क्योंकि ऐसे पंजीकृत श्रमिक की अधिकतम 2 पुत्रियों पर व्यय की गई राशि मप्र भवन एवं संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल से प्राप्त की जायेगी, के दस्तावेजों की फोटोकॉपी संलग्न करना अनिवार्य है।

झिकोली मार्ग पर शुगर मिल के आसपास चल रहा जुआं फड क्षेत्र में बना चर्चा का विषय, बेगम गुलाम की बादशाही के बीच लग रहे लाखों के दांव

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस तरह पुलिस अधीक्षक द्वारा जुंआ सट्टे सहित अन्य प्रकार के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिये कार्यवाही किये जाने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर इसके बाद भी क्षेत्र में 52 पत्तों का अवैध कारोबार अपनी जड़े जमाये हुये है वह निश्चित तौर अधिकारियों की मुहिम पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है..? क्योंकि 52 पत्तों के कारोबार अपने प्रभाव के चलते कहा जावे या फिर लक्ष्मीजी के आर्शीवाद के चलते अधिकारियों को कार्यवाही न करने के लिये मजबूर कर ही लेते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत झिकोली मार्ग के रेत स्टाक वाले क्षेत्र में बीते हुये एक सप्ताह से जिस तरह बेगम गुलाम की बादशाही के चर्चे सुने जा रहे है वह निश्चित तौर से अधिकारियों की कार्यशैली पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? इस तरह सांईखेड़ा थाना क्षेत्र में बड़े स्तर पर बेगम गुलाम की बादशाही की जिस तरह से खबर मिल रही है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद यहां पर जिम्मेदार अधिकारियों की मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई जिसका परिणाम है कि यह अवैध कारोबार दिन दुगना रात चौगना तरक्की करते हुये देखा जा रहा है? इसी सच्चाई का परिणाम इस समय समीपस्थ सांईखेड़ा क्षेत्र में कुछ पुलिस कर्मियों की मिली भगत के चलते नर्मदा उस पार की दोस्ती व यारना संबंधों के चलते बेगम गुलाम के शौकीनों द्वारा मानों राजशाही खेल में अपनी किस्मत अजमाते

हुये इस 52 पत्तों के कारोबार को बुलंदियों पर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? सूत्रों से मिल रही जानकारियों के अनुसार बताया जाता है कि इस समय सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झिकोली मार्ग वाले क्षेत्र में सजने वाला जुंआ फड़ क्षेत्र के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्र के साथ साथ नर्मदा उस पार पडौसी जिलें में भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है? हाल यह बने हुये है कि 52 पत्तों के शौकीन इस अवैध कारोबार में को संचालित करने के लिये कुछ पुलिस कर्मियों की मिली भगत के चलते सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली झिकोली मार्ग की नर्मदा पट्टी को सबसे सुरक्षित समझते हुये दिन दुगना रात चौगना बढाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। सूत्रों की माने तो इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों द्वारा इस बात की ताल ठोकने में पीछे नही रह रहे है कि हमको तो अब जब वर्दीधारियों का सहयोग मिल रहा है तो फिर डर काहे का...? इसी के चलते कुछ पुलिस कर्मि बेगम गुलाम के चलते लक्ष्मी पूजन में जुटने में किसी का डर तक महसूस करने में पीछे दिखाई नही दे रहे है खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो क्षेत्र के पेहरेदार सक्षम अधिकारी ही जाने जाने..? मगर बीते हुये कुछ दिनों से सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत झिकोली मार्ग के रेत स्टाक वाले क्षेत्र में जुंआ फड संचालित होने की चर्चाये चाय पान दुकान से लेकर चौराहो पर सुनाई देने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर मिल रही जानकारियों के अनुसार इस अवैध कारोबार में अपनी किस्मत अजमाने के लिये गाडरवारा क्षेत्र ही नही बल्कि समीपस्थ रायसेन, सागर से लेकर नर्मदा उस पार के जुंआरी पहुंचकर नित्य प्रतिदिन लाखों के दांव लगाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? जनचर्चाओं के अनुसार इस कारोबार की पहरेदारी करने के लिये जगह जगह कानून के रखबारों के बीच से ही कुछ पेहरेदार तैनात किये गये है जिसके चलते जब कोई भी बडा अधिकारी या फिर अनजान व्यक्ति इस क्षेत्र की ओर रूख करता है तो बेगम गुलाम के शौकीनों को उनके पहुंचने के पहले ही खबर मिलने से नही चूक पाती है..? इस तरह काफी बडे स्तर से संचालित हो रहे ताश पत्तों के इस अवैध कारोबार के तार नर्मदा इस पार से लेकर उस पार तक कुछ जाने माने जुंआरियों से जुडे होने की चर्चाये सुनी जा रही है...? आमजन का आरोप है कि इस तरह कुछ खाकी धारियों की मिलीभगत के चलते क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कारोबार के कारण जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही और इसी का परिणाम में की सांईखेडा थाना क्षेत्र में जुंआ सट्टे के अवैध कारोबार अपनी पूर्ण गति में पहुंचते हुये जान पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम आने का इंतजार करते करते गिरने लगे गरीबों के कच्चे मकान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

स बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस सोच के साथ देश के प्रधानमंत्री द्वारा गरीबों को पक्के मकान देने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई है उसके चलते उन गरीबों को पक्के आवास मिलते हुये देखे जा रहे है जो कभी पक्के मकानों में रहने का सपना भी नही देख सकते थें? मगर इस योजना का सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांवों में सही रूप से क्रियान्वयन नही होने की स्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना अपने लक्ष्य से भटकते हुये दिखाई देने लगी है? इस कारण से जहां साधन संपन्न लोगों के आवास तो बनते हुये देखे जा रहे है। मगर इस योजना के जो वास्तविक गरीब हितग्राही है वह आज भी इस योजना में शामिल होने के लिये इंतजार करते हुये अपने कच्चे आवासों में मौत और जिन्दगी के बीच जीवन काटने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है जहां पर इस प्रकार के दर्जनों गरीब है जिनके कच्चे मकान होने के बाद भी अभी तक उनका प्रधान मंत्री आवास योजना की सूची में नाम नही आने की स्थिति में उनके कच्चे मकान गिरने की हालत में पहुंच जाने कारण मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में दिखाई देने से नही चूक रही है। इस संबंध में खस्ता हाल कच्चे मकानों में जीवन यापन करने वाले गरीबों द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि वह पूर्णरूप से गरीब होने के साथ साथ उसकी स्थिति इस प्रकार से नही है कि वह अपना कच्चा मकान पक्का कर सके, जिसके चलते प्रधानमंत्री की आवास योजना सूची में नाम आने का इंतजार करते हुये लम्बा समय बीत जाने के बाद भी नाम नही आने के कारण कच्चे मकान का हाल इस स्थिति में पहुंच चुका है कि उसकी दीवारे चारों ओर से गिरने की शुरूआत होने के कारण यह डर सताने लगा है कि कही ऐसा न हो कि रात के समय पूरा का पूरा मकान धराशाही होने के कारण उसकी व उसके मासूम बच्चों की जिन्दगी खतरे में पड़ जावे, इस प्रकार से अन्य लोगों के आवासों की स्थिति भी कुछ इसी प्रकार से बनी हुई है जिनके कच्चे मकानों की गिरती हुई दिवारे निश्चित ही इस प्रधान मंत्री आवास योजना को अपने लक्ष्य से भटकने का उदाहरण देने से नही चूक पा रही है?

शासन की जननी योजना हुई फेल, ग्रामीण अंचलों में नहीं मिल रहा इसका लाभ

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शासन द्वारा जज्चा बच्चा की रक्षा की मंशा को ध्यान में रखते हुए कुछ वर्ष पहले शासकीय अस्पताल मे सुरक्षित प्रसव कराने के लिए ग्रामीण अंचलों की गर्भवती महिलाओं को शासकीय अस्पताल तक निःशुल्क पहुंचाने हेतु जननी एक्सप्रेस योजना लागू की गई है, लेकिन यह योजना अब ग्रामीण क्षेत्र मे दम तोड़ती नजर आ रही है? क्योंकि जिला एवं तहसील अस्पताल मे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से प्रसव कराने पहुंच रही अधिकांश महिलाओं मोटी रकम देकर स्वयं के खर्चे वाहन की व्यवस्था करना पड़ता है। हितग्रहियों की हमेशा यही शिकायत रहती है कि बार बार जननी एक्सप्रेस को फोन लगाने पर या फोन उठाया ही नही जाता या अगर उठाया भी जाता है कि वाहन कही और दूसरी गर्भवती महिला को लाने गया है का बहाना बताया जाता है, इस तरह से मजबूरी मे लोगों को निजी वाहन करके अस्पताल आना पड़ता है। नही हुए सार्थक प्रयास-प्राप्त जानकारी के अनुसार गाडरवारा तहसील स्तर की शासकीय अस्पाताल होने के कारण इस क्षेत्र में तीनो ब्लाक सांईखेड़ा, चावरपाठा व चीचली आते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यदि कोई व्यक्ति भौरझिर, घघरोला, पटना, सूरना, करहैया से गाडरवारा जाने के लिए इस जननी एक्सप्रेस का लाभ लेना चाहता है तो उसे कह दिया जाता है कि उसे गाडरवारा से यह सुविधा मिलना मुश्किल है,

चीचली स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के साथ किया गया गहरीकरण

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है। इस अभियान की शुरूआत से ही जिले में लगातार जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले की प्राचीन बावड़ियों को संवारने का कार्य भी किया जा रहा है। अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में विकासखंड चीचली के सेक्टर चीचली में प्राथमिक बालक शाला प्रांगण में स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ- सफाई व गहरीकरण का कार्य किया गया। इस दौरान आम नागरिकों को जल संरक्षण व संवर्धन के लिए चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। वही लोगों को अभियान से जुड़ने के लिए कहा गया। अभियान के तहत लोगों को जल सदुपयोग करने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने के लिए कहा गया। इस कार्य में विकास खंड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे, नवांकुर संस्था माही सामाजिक विकास संस्था चीचली के अध्यक्ष श्री संतोष चौरसिया, सदस्य श्री अमन चौरसिया, श्री राजा मिश्रा, सतत जन कल्याण कल्याण समिति गांगई, नगर विकास

प्रस्फुटन समिति चीचली के अध्यक्ष श्री मुकेश मेहरा व सचिव स्वप्निल, सदस्य और आम नागरिक मौजूद थे।

शिवाजी इंटरनेशनल स्कूल
ADMISSION OPEN
ENGLISH MEDIUM | Class - Play group to 10th
व्यवस्थित प्लेग्राउंड एवं एक्टिविटी क्लासेस, सुरक्षित वाहन सुविधा
Do Visit Once Before Getting Your Child Admitted
सांस्कृतिक परिवेश में सुदृढ व आधुनिक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा
100% COMPLETE SCHOOL
Abacus Classes for all students
WITH CBSE PATTERN
100% Digital Smart Classes With Smart Teachers
निरंजन वार्ड, आचार्य महल के पास, गाडरवारा जि.नरसिंहपुर मो. 9977414248

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
नर्सरी से कक्षा सातवीं तक
DPIS
प्रवेश निःशुल्क
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, सांईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob.-9039230199, 7224021199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

शासकीय शिक्षक संगठन ने कलेक्टर से की विशेष वर्गों के शिक्षकों को प्राथमिकता देने की मांग

डिंडौरी । शासकीय शिक्षक संगठन जिला अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने मध्य प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल एवं लोक शिक्षण संचालनालय के दिशा-निर्देशों के तहत चल रही अतिशेष शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के संदर्भ में कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह को पत्र लिखा है। पत्र में संगठन ने मांग की है कि पदांकन प्रक्रिया में पति-पत्नी समायोजन, महिला शिक्षकों, दिव्यांगजनों तथा गंभीर बीमारी से ग्रसित शिक्षकों को विशेष प्राथमिकता दी जाए और उन्हें सुविधाजनक स्थानों पर पदस्थ किया जाए।संगठन का कहना है कि इससे न केवल शिक्षकों की व्यक्तिगत और पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि शैक्षणिक व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। शिक्षक संगठन ने प्रशासन से इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार करने की अपील की है।

शहर में जगह-जगह ट्रांसफार्मर के नीचे लग रही दुकान, विभाग अंजान

कोतमा। शहर में जगह-जगह लगाए गए बिजली के ट्रांसफार्मर के नीचे लगाई जा रही खाने-पीने सहित कपड़े एवं सब्जी ठेले की दुकानें किसी भी वक्त बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। लोगों द्वारा मोल लिए जा रहे इस खतरे के प्रति पावरकॉम जरा भी गंभीर नहीं है। अगर ऐसे किसी भी ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हो गई तो कितना जान माल का नुकसान होगा इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होगा। गर्मियों में ट्रांसफार्मर पर लोड ज्यादा रहता है, इसके कारण स्पार्किंग होने की संभावना अधिक रहती है। शहर में शायद ही कोई ऐसा ट्रांसफार्मर बाकी हो जिसके नीचे दुकान न चल रही हो। खास बात तो यह है कि इसके लिए न तो मंजूरी ली जाती है और न ही किसी हादसे से निपटने के लिए कोई व्यवस्था होती है। शहर की अधिकांश मेन रोड सहित बाजार एरिया पर लगे बिजली के तार और उनके खुले डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। कई ऐसे ट्रांसफार्मर हैं, जिनकी कंडीशन काफी खराब है। फैंसिंग न होने के कारण इसकी तारें भी खुली हैं। अगर समय रहते इनको नहीं बदला गया तो ये ट्रांसफार्मर कभी भी फट सकते हैं। कई ट्रांसफार्मरों की फैंसिंग नहीं होने से ये खतरनाक बने हुए हैं। इतना ही नहीं बिजली विभाग के नियमानुसार ट्रांसफार्मरों के पास चेतावनी बोर्ड होने चाहिए। लेकिन शहर के अधिकतर ट्रांसफार्मर ऐसे हैं, जहां चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए।

नियमानुसार यह होना चाहिए

ट्रांसफार्मरों की उंचाई जमीन से कम से कम 10 फीट ऊंची होनी चाहिए। अगर चबूतरे में ट्रांसफार्मर रखा हो तो उसके आसपास घेराबंदी की जाए। भीड़भाड वाले इलाके में ट्रांसफार्मर के पास चेतावनी लिखा बोर्ड जरूर लगाना चाहिए। ट्रांसफार्मर के नीचे और सटकर दुकान, मकान, रेहड़ी फड़ी लगाने पर प्रतिबंध होना चाहिए। नगर के गांधी चौक में तो दुकानदार हद पार कर दिए हैं। ट्रांसफार्मर के नीचे सटाकर दुकान सजाई जा रही है। गर्मी का मौसम होने के कारण कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

इनका कहना है

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे जो लोग अपनी रेहड़ी फड़ी या दुकान का सामान रखते हैं। उन्हें विभाग की ओर से कई बार समझाइश दी गई है। अगर कोई हादसा होता है तो दुकानदार और सामान लगाने वाले खुद जिम्मेदार होंगे।

राहुल कुमार श्रीवास्तव, सहायक अभियंता विद्युत विभाग कोतमा

अमरकंटक के लक्ष्मी सरोवर की जा रही साफ सफाई

अनूपपुर। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना से तालाब, बावड़ी, स्टाप डैम जैसे जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। तालाबों की साफ-सफाई एवं गहरीकरण और इनकी पाल को मजबूत करने का भी कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत पुराने जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के साथ-साथ नए निर्माण कार्य आमजनता के सहयोग से किए जा रहे।

बरगांव में संपन्न हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम

जल संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है: मंत्री प्रतिमा बागरी

नगरीय प्रशासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तथा जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शहपुरा जनपद पंचायत के ग्राम बरगांव में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में सहभागिता की।

डिंडौरी ।

मंत्री श्रीमती बागरी ने सिलगी नदी के तट पर सफाई अभियान में हिस्सा लेते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।अपने संबोधन में मंत्री बागरी ने कहा कि जल संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सतत प्रक्रिया है। इसमें शासन-प्रशासन के साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि नदी में कचरा न फेंकें और उसकी स्वच्छता बनाए रखें। जल गंगा संवर्धन केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।मंत्री बागरी ने इसे जन आंदोलन का रूप देने की बात कही और कहा कि सभी मिलकर सूखे जल स्त्रोतों की सफाई करें, नदियों-नालों से गंदगी हटाएं तथा वर्षा जल के संरक्षण के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जल ईश्वर का वरदान है, जिसे बनाया नहीं जा सकता, केवल सहेजा जा सकता है। मंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि अगर कहीं नल से जल व्यर्थ बह रहा हो, तो उसे देखकर कोई भी व्यक्ति स्वयं जिम्मेदारी ले और उसे बंद करे। उन्होंने कहा कि गर्मियों में जल संकट की स्थिति हम सभी को प्रभावित करती है, इसलिए जल संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानते हुए सभी को आगे आना चाहिए।इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मारव्या, पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पूर्णिमा महा आरती समिति ने मालपुर में नर्मदा की घाटी धार को लेकर प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागरी से की चर्चा

शहपुरा-

रविवार को शहपुरा प्रवास पर पहुंची मध्य प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री और डिंडोरी जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी से मां नर्मदा पूर्णिमा महाआरती समिति के सदस्यो ने मिलकर कन्हैया संगम मां नर्मदा तट मालपुर पर मां नर्मदा की घटती धार को लेकर बात की नर्मदा तट मालपुर की वर्तमान स्थिति से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया मां नर्मदा पूर्णिमा महाआरती समिति के सदस्यों ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि कुछ वर्ष पूर्व मालपुर नर्मदा तट पर एक बड़े पुल का निर्माण किया गया था जिसके ठेकेदार द्वारा कार्य समाप्ति के उपरांत सारा मलबा नर्मदा घाट पर ही छोड़ दिया गया इसके बाद लगातार बरसात में बह कर आने वाले मलबे से वर्तमान में पूरा घाट पट चुका है मां नर्मदा की धार लगभग बंद हो चुकी है जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक कार्य करने एवं आस्था की डुबकी लगाने में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है आपको बता दें कि कन्हैया संगम मां नर्मदा तट डिण्डोरी जिले का एकमात्र संगम है जहां कन्हैया नदी मां नर्मदा से मिलती है यहां पर प्रतिवर्ष भव्य मेले का भी आयोजन किया जाता है जो लगभग 10 दिनों का होता है साथ ही मां नर्मदा जन्मोत्सव पर भी 10 दिवशीय कार्यक्रम भव्यता के साथ यहा मनाया जाता है मालपुर नर्मदा तट में शहपुरा क्षेत्र के अलावा उमरिया एवं शहडोल जिले के लोग भी आस्था के साथ पहुंचते हैं परंतु मां नर्मदा की वर्तमान स्थिति और घाटों की दुर्दशा के कारण यहां पर श्रद्धालुओं को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है उक्त विषय को लेकर मां नर्मदा पूर्णिमा आरती के सदस्यों के द्वारा कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की जा चुकी है पत्र दिए जा चुके हैं परंतु आज तक उक्त विषय पर कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है उक्त विषय को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मंत्री प्रतिमा बागड़ी ने कलेक्टर डिंडोरी एवं एसडीएम शाहपुरा को निर्देश दिए हैं एसडीएम शाहपुरा एवं कलेक्टर के द्वारा आगामी 15 दिनों के अंदर सफाई कार्य करने के लिए प्रभारी मंत्री को आस्वस्त भी किया है।

नेवासा पंचायत में मजदूरों की जगह मशीनें कर रहीं काम, ग्रामीणों ने उठाई आवाज

डिंडौरी ।

जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवासा में मनरेगा योजना के तहत बन रहे सामुदायिक खेत तालाब निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। योजना के तहत ग्रामीणों को रोजगार देने की बजाय, मशीनों से काम कराया जा रहा है। इससे न केवल योजना की मूल भावना पर चोट पहुंची है, बल्कि ग्रामीणों का रोजगार भी छिनता जा रहा है।ग्रामीण ने आरोप लगाया है कि सरपंच और पंचायत सचिव की मिलीभगत से नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। मनरेगा का मुख्य उद्देश्य गांव के बेरोजगारों को काम देना है, लेकिन पंचायत द्वारा मशीनों से कार्य कराकर मजदूरों को हाशिए पर धकेला जा रहा है।

पंचायत सचिव का दावा झूठा?

पंचायत सचिव का कहना है कि मजदूर काम पर नहीं आते, लेकिन ग्रामीणों का साफ कहना है कि उन्हें काम ही नहीं दिया जा रहा। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब मजदूरों को काम पर बुलाया ही नहीं गया, तो उनकी अनुपस्थिति का बहाना क्यों बनाया जा रहा है।

- प्रशासन की चुप्पी पर भी सवाल

इस पूरे मामले पर संबंधित विभागीय अधिकारियों की चुप्पी भी संदेह पैदा कर रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताएं न हों और ग्रामीणों को उनका हक मिल सके।

- ग्रामीणों की मांग – "काम हमें दो, मशीन हटाओ"

ग्रामीणों ने एक सुर में कहा कि सरकार ने जो योजना गरीबों के रोजगार के लिए बनाई थी, वह अब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

जल ही जीवन है: चंद्र विजय कॉलेज डिंडोरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संकल्प कार्यक्रम

डिंडौरी।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड डिंडोरी स्थित चंद्र विजय कॉलेज में बी.एस.डब्ल्यू. एवं एम.एस.डब्ल्यू. कक्षाओं का संचालन करते हुए "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत जल संरक्षण हेतु संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विद्यार्थियों, मेंटर्स एवं ब्लॉक समन्वयक गणेश सिंह राजपूत जी की गरिमामयी उपस्थिति में जल संरक्षण की शपथ ली गई। विद्यार्थियों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि "मैं पानी को एक अनमोल संपदा मानूंगा/मानूंगी और इसका विवेकपूर्ण उपयोग करूंगा/करूंगी। अपने परिवारजनों और पड़ोसियों को भी इसके विधिसम्मत उपयोग के लिए मार्गदर्शन करूंगा/करूंगी।"कार्यक्रम के दौरान "पानी नहीं तो जीवन नहीं" और "पानी बचाओ, पानी तुम्हें बचाएगा" जैसे प्रेरणादायक नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

राज्य सरकार द्वारा इस अभियान को MY Bharat पोर्टल पर मेगा इवेंट के रूप में लॉन्च किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं की सहभागिता से जल संग्रहण, सफाई, मरम्मत और जल प्रदूषण में कमी लाना है।युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा विकसित इस डिजिटल पोर्टल के माध्यम से जिले अपने जल संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करेंगे। इसके साथ ही, युवाओं को "जलदूत" के रूप में पंजीकृत कर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक ग्राम से प्रेरित युवाओं को इस अभियान से जोड़ा जाएगा और पोर्टल के माध्यम से उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।यह आयोजन जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है, जिससे वर्तमान और भविष्य दोनों सुरक्षित हो सकें।

अनूपपुर में मनाई गई बाबा साहेब अंबेडकर जयंती

व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन

अनूपपुर। 6 से 14 अप्रैल तक मनाए गए सेवा पखवाड़ा के तहत विकासखंड अनूपपुर में भारतीय संविधान के शिल्पी, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, मध्य प्रदेश शासन, विकासखंड अनूपपुर द्वारा किया गया। इस विशेष आयोजन में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रामलाल रौतेल ने अपने उद्बोधन में कहा, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने न केवल संविधान का निर्माण किया, बल्कि समाज के सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को अधिकार दिलाने का कार्य भी किया। आज की पीढ़ी को उनके विचारों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता और न्याय की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (CMCLDP) के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह युवा वर्ग ही भविष्य का मार्गदर्शक बनेगा यदि वे अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलें। कार्यक्रम में जिला संघ चालक राजेंद्र तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा, बाबा साहेब का जीवन हमें संघर्ष, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश देता है। उन्होंने देश को वह अधिकार दिए, जो आज हमें एक समानता पर आधारित समाज की ओर ले जाते हैं। हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम उनके आदर्शों को केवल स्मरण न करें, बल्कि अपने जीवन में उतारें।

अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 8 कपिला संगम के जंगल में 40 -45 वर्षीय अज्ञात युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। समाचार लिखे जाने तक फांसी लगाने वाले अज्ञात युवक की पहचान नहीं हो पाई है। अमरकंटक पुलिस आत्महत्या करने वाले पुरुष के बारे में आवश्यक जानकारी जुटा रही है। रविवार की प्रातः स्थानीय वन परिक्षेत्र अमरकंटक के बीट गार्ड जियालाल राठौर अपने नियमित जंगल गस्त के दौरान सॉल वृक्ष से एक अधेड युवक को रस्सी से लटका हुआ देखा उसने तत्काल पुलिस थाना अमरकंटक में उक्त जानकारी दी। पुलिस थाना अमरकंटक में उक्त प्रकरण पर मार्ग क्रमांक 11/25 धारा 194 बी एन एस एस कायम कर विवेचना मे लिया है। फांसी लगाने वाला अधेड़ युवक पीले रंग की शर्ट तथा काले रंग का पेंट पहना हुआ है मृतक की जेब से बस की टिकट जिसमें 130 का किराया अंकित है मिला है। अधेड़ युवक द्वारा फांसी लगाई जाने की घटना की जांच की जा रही है मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना की जांच नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी उप निरीक्षक पी एस बघेल सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव द्वारा तत्परता के साथ की जा रही है। स्थानीय पुलिस मृतक के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटा रही है कहां का है आत्महत्या क्यों की अमरकंटक क्यों आया इन सभी बिंदुओं को जांच में लिया है।

बरगांव के जनजाति कल्याण केंद्र में प्रभारी मंत्री ने मल्टी पर्पस सभागार का किया भूमि पूजन

न्यूज।

जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने आज शहपुरा के बरगांव स्थित जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल में मल्टीपर्पस सभागार का भूमि पूजन किया। उक्त सभागार जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल में गेल इंडिया लिमिटेड के CSR मद के तहत बनाए जा रहा है। प्रभारी मंत्री श्रीमती बागरी ने सर्वप्रथम सिद्ध बाबा एवं भगवान शंकर की पूजा अर्चना कर केंद्र स्थित सिल्की नदी घाट, मीटिंग हॉल, रसोई कच्छ, सिकल सेल स्वास्थ्य केंद्र, छात्र आवास, गौशाला एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थान का अवलोकन किया।जनजाति कल्याण केंद्र में संचालक गौशाला का निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने गाय माता की तिलक बंधन कारक गुड़ खिलाया।जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल प्रांगण में अतिथि कच्छ समुदाय भवन का लोकार्पण प्रभारी मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी एवं मंडला सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सीधी सांसद श्री राजेश मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव में संचालित गतिविधियों एवं गरीबों के बच्चों को पढ़ना एवं उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तरह-तरह के तकनीकी के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह शासन एवं जिला प्रशासन का काम है। प्रभारी मंत्री एवं उपस्थित गणमान्यों ने वर्तिका नामक स्मारिका का विमोचन किया। जिसमें जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियां का प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम में अध्यक्ष जनपद पंचायत शहपुरा प्रियंका आर्मो, श्रीमती शालिनी अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका शहपुरा,डॉक्टर पूर्णेन्दु सक्सैना,डॉक्टर प्रदीप द्विवेदी, अखिलेश जैन CA स्वतंत्र निदेशक गेल इंडिया लिमिटेड, अजीत सिंह सदस्य जन अभियान परिषद,डॉक्टर भारत शरणसिंह निजी विश्वविद्यालय आयोग के अध्यक्ष,ब्रिगेडियर Ap सिंह,मनोहर लाल साहू अध्यक्ष जनकल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव केंद्र, डॉ अनिल बाजपेई सचिव, सतीश चौबे सदस्य, शैलेश मिश्रा उपाध्यक्ष जनजाति कल्याण केंद्र, जाम सिंह ,श्रीमती ज्ञानवती कुशराम, डॉक्टर देवेंद्र कुमार, डॉक्टर कृष्ण बिलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

महिला ने पुलिस को दी शिकायत, धमकी देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी निवासी महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकयत दी गई शिकायत मे बताया गया कि मुंगवानी निवासी तुलसीराम प्रजापति द्वारा रास्ता रोक कर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। आवेदन मे बताया गया कि महिला के साथ पुरानी किसी बात को लेकर द्वेष रखते हुए उसे धमकी दी गई। महिला द्वारा कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञात हो कि पीड़ति के साथ आरोपी को पूर्व से विवाद चला आ रहा है जिसमें पुलिस द्वारा मामला पंजीबद्ध भी किया गया था लेकिन आरोपी द्वारा पुनः महिला के साथ अभद्रता की गई। पुलिस को चाहिए की आरोपी पर ठोस कार्रवाई करे जिससे पीड़ति परिवार दशहत से निकल सके। ज्ञात हो कि आरोपी रसूखदार होने के कारण गरीब महिला के परिवार को डरा धमका रहा है।

पत्नि हुई गायब पति ने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पीड़ति पति ने पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन मे बताया गया है कि पत्नि घर से नरसिंहपुर आने की बात कहकर निकली थी जो वापिस नही आई। जिसकी शिकायत थाना ठेमी मे दी गई थी लेकिन कोई कार्रवाई नही की गई। जिसे लेकर कार्रवाई की मांग करते हुए पति द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन दिया गया।

सड़क दुर्घटना में दंपति व बच्ची घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस हिरणपुर निवासी रोशन यादव नामक व्यक्ति अपनी पत्नि व पुत्री के साथ रिश्तेदारी मे मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी हिरणपुर गांव के पास बने स्पीड ब्रेकर मे बाइक अनियंत्रित हो गई जिससे दंपति सहित बच्ची को भी चोटें आई जिन्हे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

रास्ता रोककर की मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना स्टेशनगंज के मगरधा निवासी व्यक्ति को लोगो द्वारा मारपीट कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार राजा ठाकुर अपने किसी काम से भटिया टोला जा रहा था तभी टाल के पास भोला नामक व्यक्ति द्वारा बिना किसी बात के मारपीट कर दी जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया। पीड़ति ने बताया कि आरोपियों द्वारा बिन वजह के लाठी से मारपीट की गई है।

ब्राम्हण समाज ने विरोध करते हुए जलाया फोटो

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस सनातन ब्राम्हण महासभा के पदाधिकारियों द्वारा अनुराग कश्यप की फोटो जलाकर विरोध जताया गया। उक्त संबंध मे बताया गया कि अनुराग द्वारा इंस्टाग्राम पर ब्राम्हणों को लेकर टिप्पणी की गई थी जिसके विरोध मे फोटो जलाकर एफआईआर दर्ज करने

व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न

डॉ. अम्बेडकर सर्व समाज के है प्रेरणा स्रोतः विधायक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश के मुख्य आतिथ्य में शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय गोटेगांव में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। यह कार्यक्रम मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान पर आधारित प्रश्नमंच का आयोजन भी किया गया। अभियान से संबंधित मौजूद विद्यार्थियों व आम नागरिकों से प्रश्न पूछे गये।

संविधान की सर्वोच्चता का करे पालन

विधायक श्री नागेश ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन व शिक्षा से प्रेरणा लेकर उनके बनाये गये संविधान की सर्वोच्चता से पालन करने की आवश्यकता है। आज समाज की स्थिति बदल रही है। देवदत्त पचोरी ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन से शिक्षा, संघर्ष एवं समाज के उत्थान लिए किए गए कार्यों से हम सबको प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मणिनागेन्द सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन संघर्षों के बावजूद शिक्षा प्राप्त की और सामाजिक समानता, बंधुत्व एवं समरसतापूर्ण जीवन के लिए आंदोलन चलाया। कार्यक्रम की प्रस्तावना देते हुए जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर जयनारायण शर्मा ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी व्यक्तित्व व कृतित्व का विस्तार से परिचय दिया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर वशिष्ठ अतिथि श्रीमती अंजनी दीपक सोनी, परामर्शदाता महेश पटेल, सोबरन पटेल, छत्रपाल पटेल, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि सुनील पटेल, गणमान्य नागरिक, मप्र जनभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों, महाविद्यालय के प्राध्यापक व छात्र मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता डॉ. आशीष ठाकुर एवं आभार विकासखण्ड समन्वयक प्रतीक दुबे ने किया।

ब्राम्हण महिला परिषद ने बांधे सकोरे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ब्राह्मण महिला एकता परिषद और राष्ट्रीय महिला जाग्रति मंच द्वारा श्रीसिद्ध बाबा झिरना पुण्य स्थल पर श्री राम महायज्ञ में अपनी उपस्थिति दी। इस पुण्य स्थल पर जाकर मात्रशक्तियो ने सर्वप्रथम गुरुदेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। फिर पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए सकोरे रखे और पड़न्दि टांगे। मात्रशक्तियो द्वारा वैशाख माह में श्रद्धालुओं के पेय जल हेतु मटके रखे गए एवं हवन सामग्री हेतु सामग्रियों का संग्रह कर भेंट की गई। महिलाओं द्वारा यज्ञ बेदी के दर्शन के पुण्य लाभ अर्जित किया। इस कार्यक्रम में श्रीमतीं विवेक पांडे, सरला पांडे, अरुणा दुबे, वंदना कोरी, ज्योति तिवारी, नीरा बुधौलिया, मंजुलता पांडे, शिवकुमारी तिवारी, सपना शर्मा, शालू शर्मा, भारतीं रघुवंशी, रक्षा पालीवाल, स्वेपदह तिवारी, सुषमा श्रीवास्तव एवं शुभालिका तिवारी की सह्योगनिय उपस्थिति रही। इसी तारतम्य में गौ सेवा समिति के सदस्यों श्रीमतीं सुनन्दा भट्ट, शालिनीं दुबे एवं निशा सोनी द्वारा गौ काष्ठ भी हवन हेतु भेंट की गई।

रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। समीपी ग्राम सिंहपुर के आम वाले मैदान में रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के द्वितीय संस्करण के फाइनल मैच के साथ ही विगत सत्ताईस दिनों से जारी गेंद और बल्ले के शानदार संघर्ष का समापन हुआ। सिंहपुर स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित सिंहपुर प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला जे सी सी नरसिंहपुर और बुल्स नरसिंहपुर की टीमों के बीच खेला गया जिसमें जे सी सी नरसिंहपुर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 83 रनों से शानदार जीत हासिल कर एस पी एल 2025 का विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। खेले गये खिताबी मुकाबले में ढ़ोल नगाड़े और भव्य आतिशबाजी के बीच बुल्स नरसिंहपुर ने टॉस जीतकर पहले गेन्दबाजी करने का निर्णय लिया. बुल्स के द्वारा दिये गये बल्लेबाजी के न्योते को जे सी सी नरसिंहपुर के ओपनर बल्लेबाजों द्वारा सहर्ष स्वीकारते हुये विस्फोटक अंदाज में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर बड़े स्कोर की आधारशिला रख दी. जे सी सी के सौरभ लहरिया (98 रन 27 गेंद) ने अतिशी बल्लेबाजी करते हुये धमाकेदार पारी खेल खिताबी मैच पर अपनी टीम की पकड़ मजबूत बना दी. उन्होंने अपने साथी ओपनर वसीम (34 रनध 11 गेंद) के साथ मात्र 4.1 ओवर में 93 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप कर टीम को शानदार शुरुआत दी. हाँलाकि जे सी सी की टीम इस बेहतरीन शुरुआत का अपेक्षित लाभ ना उठा सकी और वसीम के आउट होने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट खोने से जे सी सी 181 के स्कोर पर सिमट गयी. इस प्रकार 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुये बुल्स की टीम कभी भी लक्ष्य तक पहुँचती नजर नहीं आयी और लगातार विकेट्स खोती चली गयी तथा अंततः 98 के स्कोर पर सिमट गयी. इस प्रकार जे सी सी नरसिंहपुर ने एस पी एल 2025 का फाइनल मुकाबला 83 रनों से अपने नाम कर महाजन परिवार सिंहपुर के सौजन्य से प्रायोजित प्रथम पुरुस्कार 21000- नगद और शानदार विजेता ट्रॉफी को प्राप्त करने का गौरव हासिल किया. इसके साथ ही बुल्स को उपविजेता के पुरुस्कार के रूप में 11000ध- नगद और शानदार ट्रॉफी प्रदान की गयी जिसके प्रायोजक ग्राम सिंहपुर के सरपंच देवलाल पाल एवं असलम खान रहे। अंत में आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य अभिजीत महाजन उर्फ विक्की ने सभी की प्रति आभार व्यक्त किया।

आईपीएल मैच सटोरिया गिरफ्तार, नगदी व सामग्री जब्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली पुलिस द्वारा अवैध सट्टे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त होते पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को 20 हजार रूपये नकदी व उपयोग की जाने वाली सामग्री कीमती लगभग एक लाख बीस हजार रूपए जब्त की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार विगत रात्रि ग्राम कोदसा निवासी गोलू उर्फ शुभम पटेल पिता शोभाराम पटेल, उम्र 29 साल, द्वारा आईपीएल पर सट्टा खिलाने की सूचना पर थाना करेली पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकडा गया जिसके पास से 20 हजार रूपये नगद एवं 03 टच स्क्रीन मोबाईल, 04 रजिस्टर, 02 टीव्ही रिमार्ट, 01 एलईडी टीव्ही, 02 कैलकूलेटर सहित अन्य सामग्री जिसका मूल्य लगभग 1 लाख 20 हजार रूपये है जप्त किया जाकर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 341/2025 धारा 4 क सट्टा एक्ट जप्त किया गया। प्रकरण में गहनता से तस्दीक की जा रही है।

चित्रकलां, मेहंदी और पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान जिले में 30 जून तक निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अंतर्गत जल संरचनाओं का निर्माण व पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई, ग्राम चैपाल, रंगोली प्रतियोगिता, जल संवाद, संगोष्ठी, रैली, शपथ, दीवार लेखन आदि के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। इस कार्य में जहां जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर की संस्थाओं के अलावा आम नागरिक भी अपनी सहभागिता स्वेच्छा से निभा रहे हैं। इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सामाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एक्सीलेंस स्कूल चांवरपाठा की छात्र- छात्राओं के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गई। रंगोली और पेंटिंग के माध्यम से लोगों को जल का महत्व बताया गया। वहीं छात्राओं ने अपने हाथों में मेहंदी लगाकर लोगों को जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

अजाक्स संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश में अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ अजाक्स ने भेदभाव का आरोप लगाया है। इसे लेकर रविवार को संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार अंकित मौर्य को ज्ञापन सौंपा है। अजाक्स का आरोप है कि आरक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ फर्जी शिकायतें की जा रही हैं। उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ति किया जा रहा है। विभागों में पदोन्नति और नियुक्तियों में आरक्षण को जानबूझकर प्रभावहीन किया जा रहा है। संगठन की प्रमुख मांगों में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार नए पदोन्नति नियमों को लागू करना शामिल है। साथ ही बैकलॉग पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी करने और आउटसोर्सिंग में आरक्षण सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उच्च पदों पर आरक्षित वर्ग के अधिकारियों को प्रभार देने और एससी-एसटी छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति देने की मांग भी की गई है। अजाक्स का कहना है कि ये सभी मांगें संवैधानिक और न्यायसंगत हैं। इनमें से कई मांगों पर सरकार को कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री की पूर्व घोषणाओं के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन को उम्मीद है कि शासन-प्रशासन उनके संघर्ष का समर्थन करेगा और आरक्षित वर्ग के अधिकारों की रक्षा होगी।

श्रीधाम अयोध्या से पधारे संत का हुआ स्वागत, पूजन

तेंदूखेड़ा। गत दिवस रामलला सरकार की नगरी अयोध्या से पधारे संत शिरोमणि श्री कमलेश्वर दास जी महाराज का नगर के प्रतिष्ठित पचौरी परिवार के निज निवास पर शुभागमन हुआ। महाराज श्री का स्वस्तिवाचन के द्वारा स्वागत किया गया। इष्ट मित्रों और प्रतिष्ठित लोगों के साथ पूरे परिवार के द्वारा पादुका पूजन किया गया। अपनी मधुर वाणी से महराज श्री ने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए अयोध्या वास का महत्व बताया और रामलला के दर्शन करने अयोध्या आने का सभी भक्तों से आग्रह किया।आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि अयोध्या में रामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ मीरापुर अयोध्या से महाराज जी का आगमन हुआ है । यह पीठ मैथिल सख्यरस की प्रधानता बाला है। इस पीठ से अनेकों ख्याति लब्ध अंतरराष्ट्रीय कथावाचकों का हृदय से जुडाव है।

नहीं रहे किसान नेता एकम सिंह पटेल

तेंदूखेड़ा। किसानों की लड़ाई को सड़कों पर उतर कर लड़कर अपनी विशिष्ट छवि बनाने वाले किसान नेता एकम सिंह पटेल का लंबी बीमारी के बाद असमय दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर लगते ही संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। उनके गृह ग्राम डोभी में बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। गौरतलब रहे कि एकम सिंह पटेल पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से ग्रसित चल रहे थे।उनका गुजरात प्रांत के अहमदाबाद में इलाज चल रहा था। रविवार को सुबह सुबह अचानक निधन की खबर लगते ही समूचे क्षेत्र में शोक छा गया।

तेंदूखेड़ा की चामुंडा प्रतिमा ने खोला इतिहास का दरवाज़ा

10वीं सदी की दुर्लभ मूर्ति जबलपुर संग्रहालय में प्रदर्शित कलचुरी काल की गौरवगाथा से जुड़ी पुरातात्विक खोजें

तेंदूखेड़ा । मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा क्षेत्र से प्राप्त एक प्राचीन मूर्ति ने पूरे प्रदेश के इतिहास प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। जबलपुर के रानी दुर्गावती पुरातत्व संग्रहालय में संरक्षित चामुंडा देवी की यह प्रतिमा 10वीं शताब्दी की मानी जा रही है और कलचुरी काल की मूर्तिकला का एक दुर्लभ और उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्रतिमा न केवल मूर्तिकला की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।बल्कि यह उस काल की धार्मिक आस्था शाक्त परंपरा और स्थापत्य शैली को भी दर्शाती है। देवी चामुंडा का उग्र रूप उनके हाथों में विभिन्न शस्त्र और जटिल नक्काशी इस बात का प्रमाण है कि तेंदूखेड़ा कभी शक्ति उपासना का एक प्रमुख केंद्र रहा होगा।

शाक्त परंपरा का गढ़ रहा तेंदूखेड़ा

तेंदूखेड़ा जो नर्मदा नदी के तट के समीप स्थित है। प्राचीन समय से ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहाँ माँ हरसिद्धि के चार अलग-अलग दिशाओं में स्थापित प्राचीन विग्रह आज भी विद्यमान हैं। जो दर्शाते हैं कि यह स्थान शाक्त परंपरा की जीवंत भूमि रहा है। स्थानीय जनमान्यताओं के अनुसार इन देवी विग्रहों की स्थापना प्राचीन काल में की गई थी और इनकी पूजा अर्चना आज भी निरंतर चल रही है। विभिन्न नर्मदा तटों पर राजाओं महाराजाओं की तप साधना यज्ञ अनुष्ठानों के अवशेष आज भी मिला करते हैं।

बाबनभुजा पहाड़ी से मिले अवशेष बढ़ा रहे रहस्य

तेंदूखेड़ा के पास जैतपुर ग्राम स्थित बाबनभुजा पहाड़ी भी हाल के दिनों में पुरातात्विक खोजों के लिए केंद्र में रही है। यहाँ से मिले प्रस्तर स्तंभ मूर्तियाँ और अन्य कलाकृतियाँ यह दर्शाती हैं कि इस क्षेत्र में कभी भव्य मंदिर या धार्मिक स्थल रहा होगा। इन अवशेषों पर की गई नक्काशी अत्यंत जटिल और कलात्मक है। जिसमें देवी-देवताओं की प्रतिमाएं और धार्मिक प्रतीक स्पष्ट रूप से उकेरे गए हैं।

कलचुरी शासकों से संबंध और त्रिपुरी की छाया

इतिहासकारों का मानना है कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र पर कलचुरी शासकों का प्रभाव था। कलचुरी वंश की एक शाखा की राजधानी त्रिपुरी (आज का तेवर गाँव जबलपुर के निकट) में थी। त्रिपुरी के शासक कर्ण ने त्रिपुरसुंदरी मंदिर का निर्माण करवाया था, जो शक्ति साधना का केंद्र था। इसी परंपरा में मैहर का प्रसिद्ध शारदा देवी मंदिर भी आता है। जो कलचुरी काल की धार्मिक निष्ठा को दर्शाता है। इस आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तेंदूखेड़ा में भी किसी समय एक भव्य चामुंडा मंदिर रहा होगा।

संरक्षण और शोध की आवश्यकता

वर्तमान में इन खोजों को और गहराई से समझने और संरक्षित करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एआईएस) से गंभीर पहल की आवश्यकता है। क्षेत्रीय विद्वानों और इतिहासकारों की मांग है कि तेंदूखेड़ा को एक आधिकारिक पुरातात्विक स्थल घोषित किया जाए और विस्तृत खुदाई व दस्तावेजीकरण किया जाए। साथ ही इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

तेंदूखेड़ा प्रकृति इतिहास और श्रद्धा का संगम

तेंदूखेड़ा न केवल प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। बल्कि यह ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से भी एक बहुमूल्य धरोहर है। चामुंडा देवी की मूर्ति ग्राम जेतपुर के निकट बाबनभुजा पहाड़ी के अवशेष और हरसिद्धि के प्राचीन विग्रह ये सभी मिलकर एक ऐसे सांस्कृतिक इतिहास को संजोए हुए हैं। जो आज की पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।